**11 अप्रैल, 2017 को नई दिल्ली में नार्थ एवेन्यू और साउथ एवेन्यू एमपी फ्लैट्स का पुनर्विकास–नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली में छत्तीस डुप्लेक्स फ्लैट्स (चरण–I) के निर्माण के शिलान्यास समारोह में माननीय अध्यक्ष का भाषण**

1. नार्थ एवेन्यू में संसद सदस्यों के लिए नई आवासीय सुविधा के निर्माण के लिए शिलान्यास समारोह के शुभ अवसर पर आज यहाँ आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। सबसे पहले मैं श्री वेंकैय्या जी को संसद सदस्यों के लिए आवास सुविधाएँ बढाने में गहरी रुचि लेने और विभिन्न परियोजनाएं शुरू करने के लिए धन्यवाद देती हूँ। मैं लोक सभा की आवास समिति द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें भी धन्यवाद देती हूँ।

**2. 70 वर्ष पूर्व बने नॉर्थ और साउथ एवेन्यू के फ्लैट्स उस समय के हिसाब से श्रेष्ठ थे। Building Construction Technology पिछले 20–30 वर्षों में बहुत बदल गई है, पर्यावरण अनुकूल एवं sustainable Buildings आज top priority हैं।**

3. मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि लोक सभा आवास समिति ने नार्थ और साउथ एवेन्यू एम.पी. फ्लैटों के renovation की आवश्यकता को समझा और इस क्षेत्र के पुनर्विकास पर विचार करती रही है। यह पुनर्विकास परियोजना का पहला चरण है क्योंकि नार्थ एवेन्यू में 144 फ्लैटों सहित 264 डुप्लेक्स फ्लैट और साउथ एवेन्यू में 120 फ्लैटों के निर्माण का प्रस्ताव है।

4. शुरुआत में नार्थ एवेन्यू में छत्तीस डुप्लेक्स टाइप फ्लैटों का निर्माण किया जाएगा। बाद में दूसरे फ्लैट बनाए जायेंगे। हम सब जानते हैं कि आवास सुविधाओं की कमी के कारण अनेक संसद सदस्यों को संसद सत्रों के दौरान होटलों में रहना पड़ा जिसपर बहुत अधिक खर्च आया।

5. इन फ्लैटों में आधुनिक साज–सामान और अन्य उत्कृष्ट सुविधाएँ होंगी। मुझे बताया गया है कि इस परिसर को दिव्यांगों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जा रहा है। इस परियोजना में सामुदायिक भवन, दुकानों, विद्युत उप केंद्र, सेवा क्षेत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट इत्यादि का निर्माण भी किया जाएगा।

6. ग्रीन आर्किटेक्चर की आज महत्वपूर्ण भूमिका है। इस परियोजना की एक खास बात यह है कि यह पर्यावरण के अनुकूल होगी जो चिरस्थायी होगी।

7. इसमें नेट जीरो वेस्ट प्रणाली होगी, इसके चारों ओर हरियाली होगी, इस क्षेत्र में सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा, कम्पाउंड में सौर लाइटें होंगी, एल.ई.डी. लैंपों का उपयोग किया जाएगा, पानी की बचत करने वाली फिटिंग होगी और बिजली बचाने वाली प्रणाली का उपयोग किया जाएगा।

8. भारत में भूमि पूजन का बहुत महत्व है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यहां चिरकाल से भवन निर्माण होता आया है। पर्यावरण व धरती को हानि पहुंचाए बिना मानव प्रगति करे, ऐसा भारतीय चिन्तन है और भूमि को तो अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। एक श्लोक में वर्णित है:–

**"समुद्रवसने देवि पर्वतस्तनमण्डले ।**

**विष्णुपत्नि नमस्तुभ्यं पादस्पर्शं क्षमस्वमे ॥"**

**(It means:-** Oh Mother Earth! The Devi Who is having Ocean as Her Garments and Mountains as Her Bosom, Who is the Consort of Sri Vishnu, I Bow to You; Please Forgive me for Touching You with my Feet.)

9. यह है भूमि का महत्व। अतः, भूमिपूजन के इस अवसर पर मैं इस परियोजना के लिए अपना पूरा समर्थन और सहयोग देने के लिए सभी विभागों और एजेंसियों को धन्यवाद देती हूँ। आज शाम यहाँ शिलान्यास किया जाना बहुत खुशी का अवसर है। आइये, हम सब मिलकर सहयोग से कार्य करें और इस परियोजना को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने और इसे शीघ्र पूरा करने में व्यक्तिगत रूप से रुचि लें।

धन्यवाद।